P.P. Goel have recognised the need for making the rural health service a desirable and positive experience for the medical graduates. They have suggested that because of the lack of rural orientation and understanding of the community health needs on the part of fresh graduates, it would be appropriate to post senior doctors working at the district and tehsil hospitals to serve at the PHCs and the fresh graduates posted during this period at the district and tehsil hospitals. Further, the committee have observed that the fresh graduates should be given an option to perform rural health service within the first five years of their graduation.

श्रमिकों के कल्याण के लिए नई नीति

1443. **श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा** : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए श्रमिकों की अधिकतम लाभ देने के लिए श्रमिकों के कल्याण के लिए बनाई नई नीति का ब्यौरा क्या है ?

संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) : श्रमिकों के साथ न्यायोचित व्यवहार की अपनी नीति के अनुसार सरकार यह प्रयास कर रही है कि सभी श्रमिकों, जिनमें ग्रामीण तथा असंगठित श्रमिक भी शामिल है, का जीवनस्तर शिष्ट बने । इस संबंध में सरकार द्वारा उठाए गए कुछ कदमों में आपात स्थिति के दौरान श्रमिकों के साथ किए गए अन्याय को समाप्त करना, अनिवार्य जमा योजना के अन्तर्गत महंगाई भत्ते के भुगतान के रोके जाने को बन्द करना, 1977 के लिए न्यूनतम बोनस को बहाल करना और आपात स्थिति के दौरान बोनस भुगतान अधिनियम की परिधि से बाहर रखे गए श्रमिकों के वर्गों को उसकी परिधि में लाना, प्रबन्ध और इक्विटी में श्रमिकों की सहभागिता के बारे में समिति नियुक्त करना और असंगठित श्रमिकों संबंधी सम्मेलन आयोजित करना शामिल है । उद्योग में शान्ति तथा सौहार्द लाने तथा अबाध उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए सरकार का विचार एक व्यापक औद्योगिक सम्बन्ध विधेयक पेश करने का है ।

उत्तर प्रदेश में डाकघरों, टेलीफोन एक्सचेंजों और सार्वजनिक टेलीफोनों की संख्या में वृद्धि

1444. **श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश में डाकघरों, टेलीफोन एक्सचेंजों और सार्वजनिक टेलीफोनों की संख्या में वृद्धि अन्य राज्यों की तुलना में अपेक्षाकृत कम रही है ; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और चालू वित्तीय वर्ष के लिए उत्तर प्रदेश के लिए कितना लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव राय) :

(क) (i) डाकघर

उत्तर प्रदेश में डाकघरों की कुल संख्या 15 825 है । यह संख्या सभी राज्यों में सबसे अधिक है । डाक यातायात की वृद्धि सिर्फ आबादी बढ़ने पर ही निर्भर नहीं करती इसलिए यह जरूरी नहीं है कि डाकघरों की वृद्धि आबादी की वृद्धि के अनुपात में हो ।

(ii) टेलीफोन एक्सचेंज और सार्वजनिक टेलीफोन घर

टेलीफोन एक्सचेंज केवल टेलीफोन की मांग के आधार पर खोले जाते हैं आबादी के आधार पर नहीं खोले जाते । वर्ष 1976–77 में उत्तर प्रदेश में 17.4 प्रतिशत और दूसरे राज्यों में 82.6 प्रतिशत नए टेलीफोन एक्सचेंजों की वृद्धि हुई थी जबकि उत्तर प्रदेश

की आबादी समूचे देश की आबादी की 16.2 प्रतिशत है ।

(ख) उत्तर प्रदेश में चालू वर्ष के लिए निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किया गया है :

गांवों में नए डाकघर	304
टेलीफोन एक्सचेंज	27
सार्वजनिक टेलीफोन घर	300

परिवार कल्याण कार्यक्रमों के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र

1445. **श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) परिवार कल्याण कार्यक्रमों के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 1976–77 के दौरान कुल कितने प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र खोले गए और 1977–78 के लिए कितने केन्द्र खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ;

(ख) क्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का मार्गदर्शन करने हेतु इन केन्द्रों में ऐसी कोई विशेष सुविधायें दी गई हैं जिनसे लोगों को परिवार नियोजन उचित ढंग से अपनाने योग्य बनाया जा सके ; और

(ग) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव) : (क) परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राइमरी हैल्थ सैन्टरों को खोलने के लिये कोई सहायता उपलब्ध नहीं है। परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राइमरी हैल्थ सैन्टरों में ग्रामीण परिवार कल्याण केन्द्रों को खोलने के लिये सहायता उपलब्ध की गई है । वर्ष 1976–77 के दौरान कोई ग्रामीण परिवार कल्याण केन्द्र नहीं खोला गया किन्तु 200 केन्द्रों को 1977–78 के दौरान खोलने की स्वीकृति दे दी गई थी ।

(ख) जी हां ।

(ग) इन केन्द्रों में लूप निवेशन स्वैच्छिक नसबंदी आपरेशन संबंधी सेवाएं उपलब्ध करने तथा प्रचलित गर्भानरोधकों की सप्लाई करने के लिए निम्नलिखित चिकित्सा और परा-चिकित्सा कार्मिकों की व्यवस्था की गई है :—

1. चिकित्सा अधिकारी—1
2. विस्तार शिक्षक—1
3. स्वास्थ्य परिचारिका—1
4. सहायक नर्स मिडवाइफ—1
5. परिवार कल्याण स्वास्थ्य सहायक—20,000 जनसंख्या के लिए एक
6. कम्प्यूटर—1

इन सेवाओं की व्यवस्था करने के अतिरिक्तहैं ये कर्मचारी प्रेरणा देने का कार्य करते तथा बाद में उन व्यक्तियों की देखभाल भ करते हैं जिन्होंने स्वेच्छा से नसबंदी कराई हो । जहां कहीं जन स्वास्थ्य रक्षक योजना आरम्भ की जा रही है वहां ये जन स्वास्थ्य रक्षक गांवों में परिवार कल्याण कार्यक्रम के लिये भी प्रेरणात्मक कार्य करेंगे ।

मेरठ जिले के हुमायूंपुर–अकबरपुर गढ़ी गांवों में डाकघर और सार्वजनिक टेलीफोन केन्द्र खोलना

1446. **श्री दयाराम शाक्य :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मेरठ जिले के मवाना तहसील में लगभग 20 हजार की आबादी वाले हुमायूंपुर-अकबरपुर गढ़ी गांवों में सार्वजनिक टेलीफोन और डाकघर नहीं हैं ; और